पीज़ोइलेक्ट्रिक बोन कंडक्शन हियरिंग इम्प्लांट

स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स

कमांड हॉस्पिटल पुणे ने दो **पीज़ोइलेक्ट्रिक बोन कंडक्शन हियरिंग इम्प्लांट** का सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जो **भारत के किसी सरकारी अस्पताल में ऐसी प्रक्रियाओं का पहला उदाहरण है।**

- पीज़ोइलेक्ट्रिक बोन कंडक्शन हियरिंग इम्प्लांट सिस्टम एक महँगा इम्प्लांटेबल मेडिकल उपकरण है, जो सुनने में अक्षम रोगियों के लिये डिज़ाइन किया गया है, जिसमें प्रवाहकीय श्रवण हानि (जैसे कि **ऑरल एट्रेसिया**), मिश्रित श्रवण हानि और **एकल-पक्षीय बहरापन (SSD)** शामिल हैं।
  - **ऑरल एट्रेसिया** एक जन्मजात स्थिति है जो कान, विशेष रूप से कान की नलिका के विकास को प्रभावित करती है।
    - ऑरल एट्रेसिया वाले व्यक्तियों में, कान की नलिका ठीक से नहीं बन पाती है या पूरी तरह से अनुपस्थित रहती है, जिससे प्रभावित कान में महत्त्वपूर्ण श्रवण हानि या बहरापन हो जाता है।
  - एकल-पक्षीय बहरापन एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को एक कान से पूर्ण या निकट-पूर्ण सुनाई न देने जैसी स्थिति का अनुभव होता है, जबकि दूसरे कान से सामान्य या निकट सामान्य सुनने की क्षमता प्रभावित होती है।
- पीज़ोइलेक्ट्रिसिटी कुछ सामग्रियों का एक गुण है जो यांत्रिक रूप से तनावग्रस्त होने पर विद्युत प्रवाह उत्पन्न करता है।

और पढ़ें: पीज़ोइलेक्ट्रिक प्रभाव, विकलांग व्यक्तियों को सशक्त बनाना

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/piezoelectric-bone-conduction-hearing-implants